दिनांक-24 दिसम्बर, समय : 1:15 pm

मुख्य परीक्षा

प्रश्न-हाल ही में प्रधानमंत्री ने डॉक्टरों को रोगियों हेतु प्रेस्क्रिप्शन में केवल जेनेरिक दवाओं को लिखने का आग्रह किया है। जेनेरिक दवा और ब्रांडनेम दवा के बीच अंतर को स्पष्ट करते हुए, जेनेरिक दवाओं से आने वाली चुनौतियों का वर्णन कीजिए। (150 शब्द)

Recently the Prime Minister has urged the doctors to write only Generic Medicines in the prescriptions for patients. Explaining the difference between Generic Medicines and Brand name Medicines, Describe the Challenges coming from Generic medicines. (150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- **भूमिका :** 'जिस देश की एक बड़ी आबादी के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना चुनौती हो वो बीमार पड़ जाए तो दवा कहाँ से खरीदे?' हाल ही में प्रधानमंत्री ने इसी संदर्भ में डॉक्टरों को रोगियों हेतु प्रेस्क्रिप्शन में जेनरिक दवाओं को लिखने का आग्रह किया। (मुख्य रूप से दवाओं के मूल्य के कारण)

जेनेरिक दवा वह दवा है, जो किसी पेटेंट के बिना, जनहित को ध्यान में रखकर बनायी और वितरित की जाती है। साथ ही इसके फॉर्मुलेशन पर पेटेंट हो सकता है, किन्तु इसके सक्रिय घटक पर नहीं, जबकि ब्राण्डेड दवा पेटेंट के उपरांत ही बनायी जाती है व वितरित की जाती है। ब्रांडेड दवा के फॉर्मुलेशन व सक्रिय घटकों पर पेटेंट की अनिवार्यता आवश्यक है।

चुनौतियाँ :

जेनेरिक दवाइयाँ गुणवत्ता में किसी भी प्रकार के ब्रांडेड दवाइयों से कम नहीं होती है तथा उतनी ही असरकारक, जितनी की ब्रांडेड दवाईयाँ, किन्तु इसके अलावे कुछ चुनौतियाँ है-

- इससे ब्राण्ड चुनने की ताकत डॉक्टर के स्थान पर दवा दुकानदार के हाथ में आ जाएगी, जिससे दुकानदार किसी प्रतिष्ठित विनिर्माता के बजाय अनैतिक विनिर्मिताओं की दवाओं को ज्यादा लाभ कमाने हेतु बढ़ावा देगा।
- उच्च तकनीकी का अभाव।
- इसके संबंध में लोगों के मध्य जागरुकता की कमी।
- दवा के प्रति विश्वसनीयता का खतरा।
- मानव में मनौवैज्ञानिक रूप से सस्ती अथवा निम्न मूल्य के दवा के प्रति विश्वसनीयता का अभाव।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।